# पदसोपान (Hierarchy)

## लोक प्रशासन में संगठन का आधार

---

**डॉ. राजकुमार बंजारे**

राजनीति विज्ञान विभाग

शासकीय दिग्विजय स्वायत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव

# प्रस्तुति की रूपरेखा

- परिचय एवं अर्थ
- पदसोपान की परिभाषाएँ
- प्रमुख विशेषताएँ
- पदसोपान के उद्देश्य

- लाभ एवं दोष (लालफीताशाही)
- हेनरी फेयोल का योगदान
- भारतीय प्रशासन में पदसोपान
- निष्कर्ष

# पदसोपान का परिचय

'पदसोपान' (Hierarchy) शब्द का शाब्दिक अर्थ है - **'पदों की सीढ़ी'**।

यह संगठन का वह सार्वभौमिक सिद्धांत है जिसके तहत कर्मचारियों और अधिकारियों को उच्च से निम्न स्तर तक एक व्यवस्थित क्रम में रखा जाता है। इसमें सत्ता और आदेश ऊपर से नीचे की ओर प्रवाहित होते हैं।

**ऊर्ध्वाधर व्यवस्था**

**नियंत्रण**

# प्रमुख परिभाषाएँ

*"पदसोपान वह पद्धति है जिसके द्वारा विभिन्न व्यक्तियों के प्रयासों को एक सूत्र में पिरोया जाता है।"*

***— लूथर गुलिक (Luther Gulick)***

*"यह उच्च अधिकारियों द्वारा निम्न कर्मचारियों को निर्देशित करने की एक सीढ़ीनुमा प्रक्रिया है।"*

***— एल. डी. व्हाइट (L.D. White)***

# पिरामिड संरचना

पदसोपान को अक्सर एक पिरामिड के रूप में दर्शाया जाता है।

- शीर्ष पर कम अधिकारी (नीति निर्माता)।
- मध्य में समन्वयकारी अधिकारी।
- आधार पर अधिक कर्मचारी (कार्यकारी बल)।
- आदेश ऊपर से नीचे और रिपोर्ट नीचे से ऊपर जाती है।

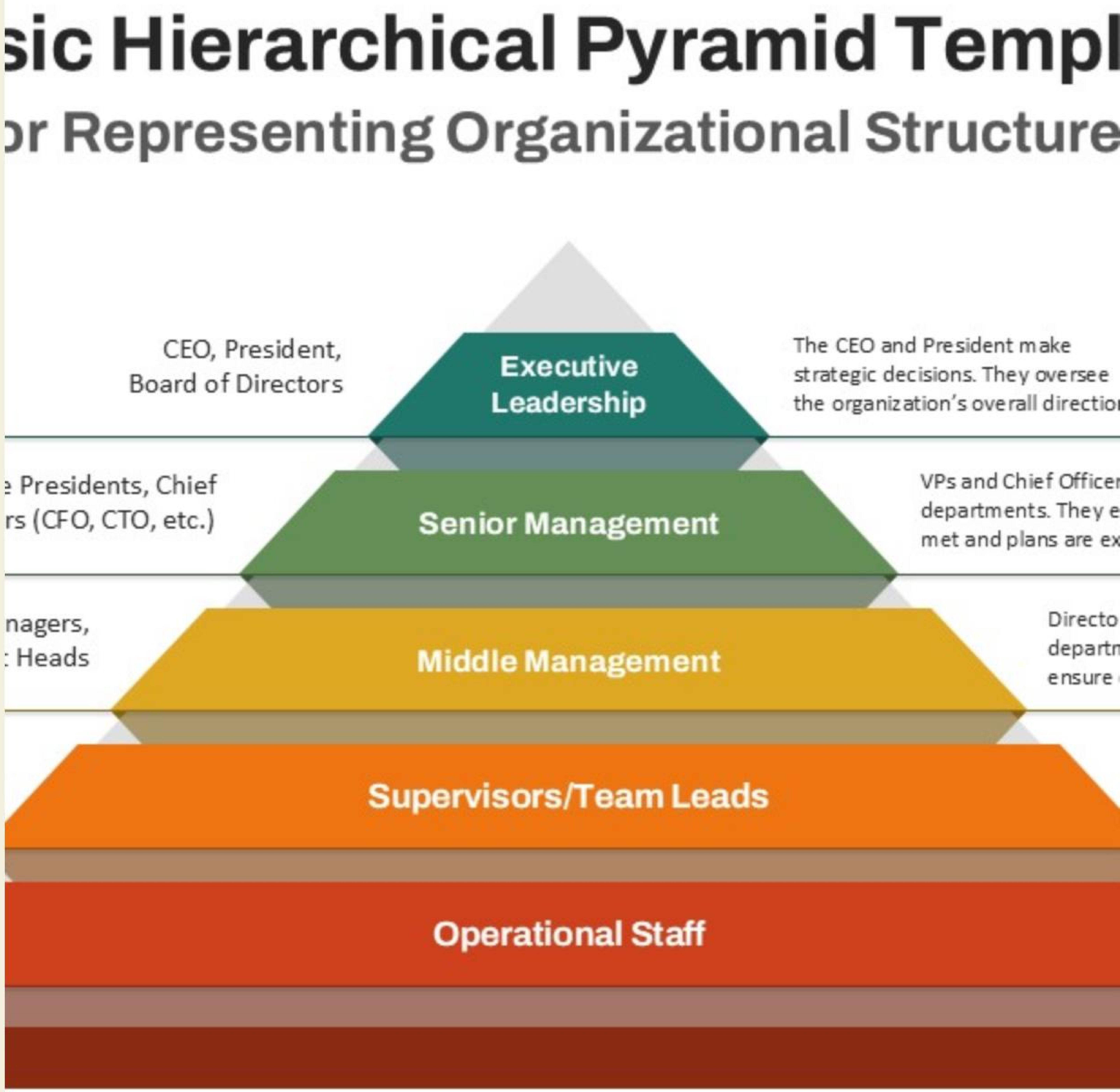

# पदसोपान की विशेषताएँ (1)

- **आदेश की एकता (Unity of Command):** प्रत्येक कर्मचारी को केवल एक ही उच्च अधिकारी से आदेश मिलना चाहिए। यह भ्रम और संघर्ष को रोकता है।
- **उचित माध्यम द्वारा (Through Proper Channel):** कोई भी कार्य या संचार सीधे उच्च स्तर पर नहीं जाता, बल्कि हर एक पायदान से होकर गुजरता है।
- **नेतृत्व का निर्धारण:** यह स्पष्ट करता है कि कौन किस पर नियंत्रण रखेगा और कौन किसके प्रति उत्तरदायी होगा।

# पदसोपान की विशेषताएँ (2)

### प्रत्यायोजन

सत्ता और कार्यभार को ऊपर से नीचे की ओर सौंपा जाता है।

### उत्तरदायित्व

अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी तय की जाती है। अधीनस्थ अपने वरिष्ठ के प्रति जवाबदेह होते हैं।

### एकीकरण

यह संगठन की विभिन्न इकाइयों को एक सूत्र में बांधकर रखता है।

# पदसोपान के उद्देश्य

## समन्वय (Coordination)

विभिन्न विभागों और कर्मचारियों के कार्यों में तालमेल बिठाना ताकि संगठन का लक्ष्य प्राप्त हो सके।

## अनुशासन (Discipline)

आदेशों का पालन सुनिश्चित करना और संगठन में व्यवस्था बनाए रखना।

## संचार (Communication)

सूचनाओं के प्रवाह के लिए एक स्पष्ट और आधिकारिक मार्ग प्रदान करना।

## नियंत्रण (Control)

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अधीनस्थों के कार्यों का निरीक्षण और मूल्यांकन करना।

# पदसोपान के लाभ

- **एकीकरण:** यह संगठन को बिखरने से बचाता है और एकता बनाए रखता है।
- **स्पष्टता:** प्रत्येक व्यक्ति को अपनी स्थिति, अधिकार और कर्तव्यों का ज्ञान होता है।
- **विवादों में कमी:** अधिकार क्षेत्र स्पष्ट होने के कारण आपसी टकराव कम होते हैं।
- **पदोन्नति का आधार:** यह कर्मचारियों के लिए करियर की सीढ़ी का काम करता है।

# पदसोपान के दोष: लालफीताशाही

## विलंब और कठोरता

पदसोपान का सबसे बड़ा दोष 'लालफीताशाही' (Red Tapism) है।

- उचित माध्यम (Proper Channel) के पालन के कारण फाइलों को आगे बढ़ने में बहुत समय लगता है।
- निर्णय लेने में अनावश्यक देरी होती है।
- नियमों की कठोरता के कारण मानवीय संवेदनाओं की अनदेखी होती है।
- पहल करने की क्षमता (Initiative) कम हो जाती है।

# हेनरी फेयोल का योगदान

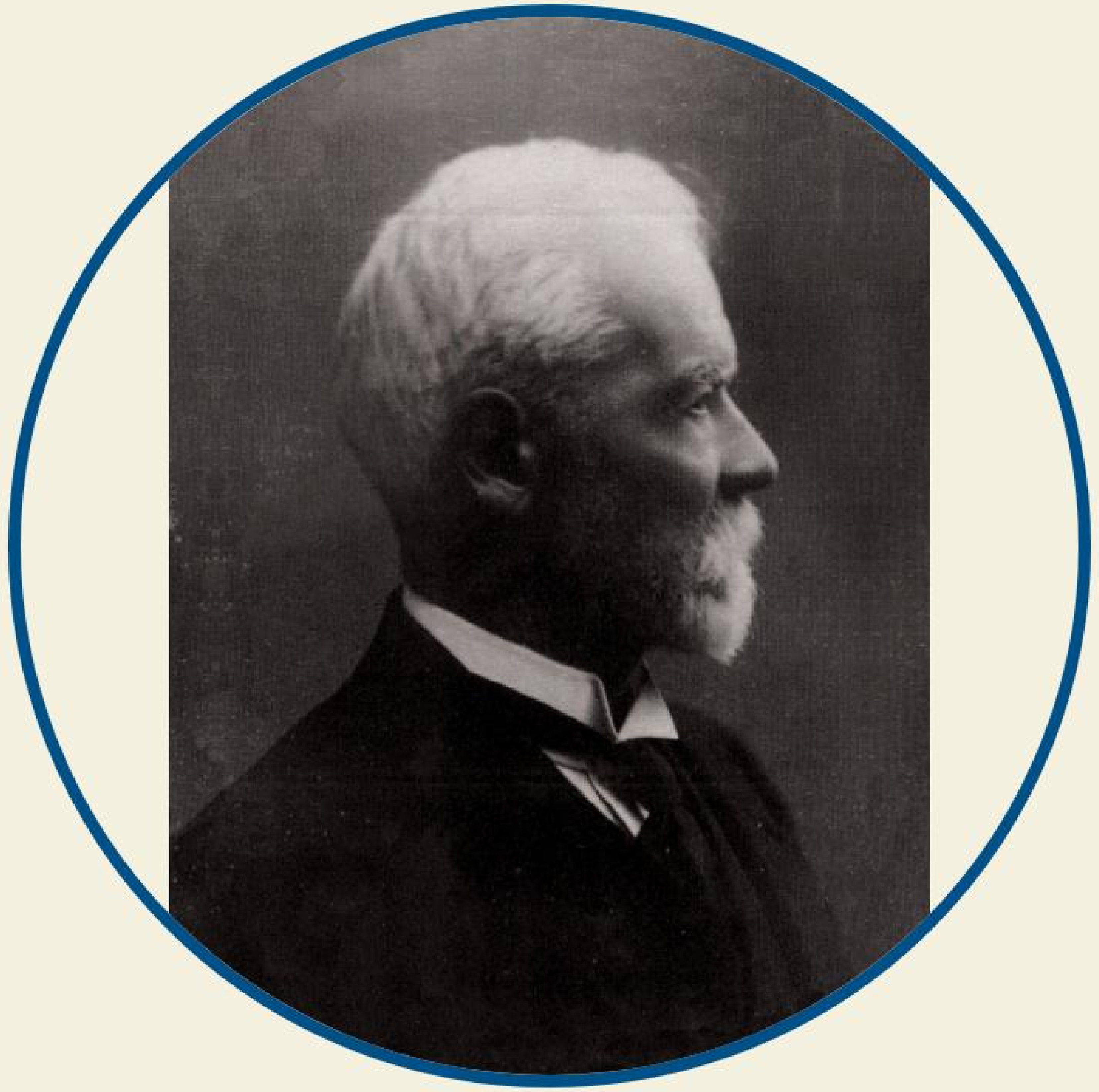

## सोपान श्रृंखला (Scalar Chain)

प्रसिद्ध प्रशासनिक विचारक हेनरी फेयोल ने पदसोपान को 'सोपान श्रृंखला' (Scalar Chain) कहा है।

उनके अनुसार, यह संगठन में सर्वोच्च प्राधिकारी से लेकर निम्नतम स्तर तक की एक अटूट कड़ी है, जिसका उपयोग संचार और आदेश के लिए किया जाना चाहिए।

# 'गैंग प्लैंक' (Gang Plank)

फेयोल ने पदसोपान के दोष (विलंब) को दूर करने के लिए **'गैंग प्लैंक' (सेतु)** का सुझाव दिया।

---

इसके अंतर्गत, समान स्तर के दो अधिकारी (जैसे विभाग 'A' और 'B' के प्रमुख) विशेष परिस्थितियों में, अपने वरिष्ठों को सूचित करते हुए, **सीधा संवाद** कर सकते हैं। इससे समय की बचत होती है और कार्य शीघ्र होता है।

# भारतीय प्रशासन में पदसोपान

भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था पदसोपान का उत्कृष्ट उदाहरण है।

**संरचना (उदाहरण):**

- कैबिनेट सचिव (शीर्ष)
- सचिव
- संयुक्त सचिव
- निदेशक / उप सचिव
- अनुभाग अधिकारी
- सहायक / लिपिक (आधार)

# निष्कर्ष

### अनिवार्यता

पदसोपान प्रशासन की रीढ़ है। इसके बिना बड़े संगठनों का संचालन असंभव है।

### संतुलन

कठोरता और लचीलेपन के बीच संतुलन आवश्यक है। 'गैंग प्लैंक' जैसे उपायों का प्रयोग होना चाहिए।

### उद्देश्य

अंतिम लक्ष्य जनसेवा और प्रशासनिक दक्षता है, न कि केवल नियमों का पालन।

# धन्यवाद

क्या आपके कोई प्रश्न हैं?

डॉ. राजकुमार बंजारे
राजनीति विज्ञान विभाग
शासकीय दिग्विजय स्वायत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव

# Image Sources

https://www.slidekit.com/wp-content/uploads/2024/10/Basic-Hierarchical-Pyramid-PowerPoint-Template-for-Organizational-Structures-Presentation.jpg

Source: slidekit.com

---

https://media.istockphoto.com/id/1466386989/photo/stack-of-dusty-messy-file-folders-blurred-office-in-the-back-red-tape-bureaucracy.jpg?s=170667a&w=0&k=20&c=UccgWIhjnwtvGfX87n6jJcHjPhqjgbSIzUJKIEtSStI=

Source: www.istockphoto.com

---

https://upload.wikimedia.org/wikipedia/commons/4/46/Fonds_henri_fayol.jpg

Source: wikipedia.org

---

https://upload.wikimedia.org/wikipedia/commons/a/a7/Delhi_India_Government.jpg

Source: en.wikipedia.org